

Padma Shri



SHRI SRIDHAR VEMBU

Shri Sridhar Vembu is the CEO and Co-founder of Zoho Corporation, a global software product company headquartered in Chennai with three brands—WebNMS, ManageEngine and Zoho, catering to the software needs of different market segments. He is well-known for his unconventional path to success.

2. Born on 28th June, 1968 in Umayalapuram, Tamil Nadu, Shri Vembu completed his schooling in Chennai. Later, he graduated from IIT Madras and went on to Princeton University for higher studies. In 1996, he founded Zoho Corp (earlier called AdventNet) with his brothers and friends, with the aim to develop software products in India. Zoho Corp was one of the first product companies out of India, and also among the first to enter the Software-as-a-Service market in early 2000s.

3. To date, Shri Vembu chooses to keep the company private, profitable and bootstrapped, so as to retain the freedom to run a business rooted in values and convictions and to continue investing in employees and customers instead of stockholders. The company has never taken a loan or been in debt. Since its inception, Zoho has invested in long-term R&D projects, opting to build instead of acquiring products like email and spreadsheet that take almost a decade to perfect and even run its own data centres instead of hosting the software on public cloud. He believes that India can become an Atmanirbhar nation only through continued long-term R&D efforts. This vision of building technology capacity in India has also driven him to invest in Indian companies with similar values in healthcare, semiconductor and other critical sectors.

4. In 2005, Shri Vembu started Zoho Schools of Learning programme (earlier called Zoho University) wherein Class 12th students from local government schools and diploma graduates were inducted into an 18-month course, at the end of which those who graduated were hired as Zoho employees. The stance against credentialism was driven by the observation that the college courses lacked context and also pushed students into debt. ZSL courses, by comparison, include context of real-world business problems and are revised regularly to keep up with the changing industry standards. The students earn a stipend until they graduate. This has created opportunities for students, particularly from economically backward communities. Today, 10% of Zoho's total workforce comes from ZSL.

5. Shri Vembu believes in extending the opportunity to find their life's calling to all employees, hiring people from a variety of backgrounds. By placing people at the centre of growth, he has helped in creating an ecosystem of entrepreneurship within India. More than 50 former Zoho employees have gone on to start their own companies, several of them have unicorn status and are based in Chennai, making the city a SaaS hub.

6. In 2010, in another unconventional move, Shri Vembu opened Zoho's first rural office in Tenkasi, Tamil Nadu to create job opportunities in the village and contribute to the overall social and economical development of the region. The office also has a ZSL branch. In 2018, he himself relocated to Tenkasi from the United States to concentrate on rural revival initiatives, which have led to the opening of more than 20 offices in rural and non-urban areas in India as well as in other countries. He also runs a school today in Tenkasi to teach young children who dropped out because of the pandemic. He is vocal about building capabilities in rural areas, training the village youth, and investing in long-term projects in these areas to create a resilient Indian economy.

7. Shri Vembu has been felicitated many times in his long career. Some of his awards include: Ernst and Young Entrepreneur of the Year Award (India) in 2019, Best CEO Award 2020 from Constellation Research for Radical Empathy, Entrepreneur of the Year 2018 from The Economic Times, Conscious Capitalist for the Year 2017 from Forbes India, The Hindu Business Line Changemaker 2017 (Social Transformation), and Puthiyathalaimurai Thamizhan Award 2016. He has also been conferred with Dr A C Muthiah Award for Excellence in first-generation Entrepreneurship (2016).



श्री श्रीधर वेम्बु

श्री श्रीधर वेम्बु, वैश्विक सॉफ्टवेयर उत्पाद कंपनी जोहो कॉर्पोरेशन के सीईओ और सह-संस्थापक हैं। इस कंपनी का मुख्यालय चेन्नै में है और उसके तीन ब्रांड, वेबएनएमएस, मैनेजइंजिन और जोहो, बाजार के विभिन्न वर्गों की सॉफ्टवेयर जरूरतों को पूरा करते हैं। वे सफलता के नए रास्ते खोजने के लिए जाने जाते हैं।

2. 28 जून, 1968 को तमिलनाडु के उमायलपुरम में जन्मे श्री वेम्बु ने अपनी स्कूली शिक्षा चेन्नै में पूरी की। बाद में, उन्होंने आईआईटी मद्रास से स्नातक किया और उच्च अध्ययन के लिए प्रिंसटन विश्वविद्यालय चले गए। 1996 में, उन्होंने भारत में सॉफ्टवेयर उत्पाद विकसित करने के लिए, अपने भाइयों और दोस्तों के साथ मिलकर जोहो कॉर्प (जिसे पहले एडवेंटेनेट कहा जाता था) की स्थापना की। जोहो कॉर्प भारत के बाहर शुरुआती उत्पाद कंपनियों में शामिल थी, और 2000 के दशक की शुरुआत में सर्विस बाजार के रूप में सॉफ्टवेयर का कार्य करने वाली आरंभिक कंपनियों में से एक थी।

3. आज तक, श्री वेम्बु ने कंपनी को निजी, लाभदायक और किफायती रखने का विकल्प चुना है, ताकि मूल्यों और विश्वास पर आधारित व्यवसाय चलाने की स्वतंत्रता बरकरार रखी जा सके और स्टॉकहोल्डर्स की बजाय कर्मचारियों और ग्राहकों में निवेश जारी रखा जाए। कंपनी ने कभी कर्ज नहीं लिया है, और न ही उस पर कर्ज चढ़ा है। अपनी स्थापना के बाद से, जोहो ने लंबी अवधि की अनुसंधान और विकास परियोजनाओं में निवेश किया है, श्रेष्ठ बनने में लगभग दशक का समय लेने वाले ईमेल और स्प्रेडशीट जैसे उत्पादों को प्राप्त करने की बजाय निर्माण करने का विकल्प चुना है और पब्लिक क्लाउड पर सॉफ्टवेयर हॉस्टिंग करने के बजाय अपने ही डेटा सेंटर का संचालन किया है। उनका मानना है कि भारत अनुसंधान और विकास के दीर्घकालिक प्रयासों से ही आत्मनिर्भर राष्ट्र बन सकता है। भारत में प्रौद्योगिकी क्षमता निर्माण के इस विजन ने उन्हें स्वास्थ्य सेवा, सेमीकंडक्टर और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में समान मूल्यों वाली भारतीय कंपनियों में निवेश करने के लिए प्रेरित किया है।

4. 2005 में, श्री वेम्बु ने जोहो स्कूल ऑफ लर्निंग प्रोग्राम (जिसे पहले जोहो विश्वविद्यालय कहा जाता था) शुरू किया, जिसमें स्थानीय सरकारी स्कूलों के 12 वीं कक्षा के छात्रों और डिप्लोमा स्नातकों को 18 महीने वाले पाठ्यक्रम में शामिल किया गया। इस कोर्स के स्नातकों को बाद में जोहो में नौकरी पर रखा गया। डिग्रियों के खिलाफ यह रुख इस सोच से प्रेरित था कि कॉलेज के पाठ्यक्रम संदर्भ से अलग हैं और छात्र कर्ज के बोझ से दब गए हैं। जोहो स्कूल ऑफ लर्निंग पाठ्यक्रम में, तुलनात्मक रूप से, वास्तविक दुनिया की व्यावसायिक समस्याओं के संदर्भ शामिल हैं और बदलते उद्योग मानकों के साथ चलने के लिए लगातार उनमें परिवर्तन किया जाता है। जब तक छात्र स्नातक नहीं बन जाते, वजीफा प्राप्त करते रहते हैं। इससे विशेष रूप से आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के छात्रों के लिए अवसर पैदा हुए हैं। आज, जोहो के 10% कर्मचारी जोहो स्कूल ऑफ लर्निंग से लिए जाते हैं।

5. श्री वेम्बु विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों को काम पर रखते हुए, सभी कर्मचारियों को उनके रुचिकर काम करने का अवसर प्रदान करने में विश्वास रखते हैं। लोगों को विकास के केंद्र में रखकर, उन्होंने भारत के भीतर उद्यमिता का एक माहौल बनाने में मदद की है। जोहो के 50 से अधिक पूर्व कर्मचारियों ने अपनी खुद की कंपनियां शुरू की हैं, उनमें से कई को यूनिर्कोर्न का दर्जा प्राप्त है और वे चेन्नै में स्थित हैं, जिससे शहर एक सास हब (SaaS Hub) बन गया है।

6. 2010 में, एक और अपरंपरागत प्रयास के अंतर्गत, श्री वेम्बु ने तमिलनाडु के तेनकासी गांव में रोजगार के अवसर पैदा करने और क्षेत्र के समग्र सामाजिक और आर्थिक विकास में योगदान करने के लिए जोहो का पहला ग्रामीण कार्यालय खोला। कार्यालय में जोहो स्कूल ऑफ लर्निंग की एक शाखा भी है। 2018 में, वे ग्रामीण पुनरुद्धार की पहल पर ध्यान देने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका से तेनकासी आए। इसके फलस्वरूप, भारत के साथ-साथ अन्य देशों के ग्रामीण और गैर-शहरी क्षेत्रों में 20 से अधिक कार्यालय खुल गए। वे आज तेनकासी में एक स्कूल भी चलाते हैं, जहां उन छोटे बच्चों को पढ़ाया जाता है, जिन्होंने महामारी के कारण बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी थी। वे एक मजबूत भारतीय अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में क्षमताएं तैयार करने, गांव के युवाओं को प्रशिक्षण देने और इन इलाकों में दीर्घकालिक परियोजनाओं में निवेश करने पर जोर देते हैं।

7. श्री वेम्बु को उनके लंबे करियर में कई बार सम्मानित किया गया है। उन्हें प्रदान किए गए कुछ पुरस्कारों में 2019 में अर्न्स्ट एंड यंग एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर अवार्ड (भारत), कन्स्टेलेशन रिसर्च फॉर रेडिकल एम्पैथी की ओर से सर्वश्रेष्ठ सीईओ पुरस्कार 2020, द इकोनॉमिक टाइम्स की ओर से वर्ष 2018 का उद्यमी, फोर्ब्स इंडिया का वर्ष 2017 का कॉन्शियस कैपिटलिस्ट, द हिंदू बिजनेस लाइन चेंजमेकर 2017 (सोशल ट्रांसफॉर्मेशन), तथा 2016 का पुथियाथलैमुरई थमिजन अवार्ड शामिल हैं। उन्हें पहली पीढ़ी की उद्यमिता में उत्कृष्टता के लिए डॉ. एसी मुथैया अवार्ड (2016) से भी सम्मानित किया गया है।